

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 8645

J

Unique Paper Code : 2132101201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : ITEP

Semester / Level : II, 2025 / Secondary (Hons)

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार का अनुवाद कीजिए।

(4x5=20)

Translate any Four of the followings:

- (क) अशिशिरोपचारहार्यो अवतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा । सततममूलमन्त्रशम्यो विषयो
विषयविषास्वादमोहः । नित्यमस्त्रानशौचवध्यो बलवान् रागमलावलेपः ।
अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुखसन्निपातनिद्रा भवतीति ।

P.T.O.

- (ख) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः। प्रशमहेतुर्वयः परिणाम इव पलितरूपेण शिरसिजजालममलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति । अयमेव चानास्वादितविषयरसस्य ते काल उपदेशस्य । कुसुमशरप्रहार जर्जरिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम्।
- (ग) तात्, क एष बालः को वा भवान् कथं चेत्यमापदापन्ना इति । सः अश्रु गद्गदमगदत्- श्रूयतां महाभागा! विदर्भी नाम जनपदः। तस्मिन् भोज-वंशभूषणम्, अंशावतार इव धर्मस्य, अतिसत्त्वः, सत्यवादी, वदान्यः विनीत, प्रजानाम् रन्जितभृत्यः, कीर्तिमान्, उत्थानशीलः शास्त्रप्रमाणः-
- (घ) सः पुण्यै कर्मभिः प्राप्य पुरुषायुषम्, पुनरपुण्येन प्रजानामगण्यतामरेषु। तदन्तरमनन्तवर्मा नाम तदायतिरवनिमध्यतिष्ठत् । स सर्वगुणैः समृद्धो अपि दैवाद्दण्डनीत्यानात्यादतो अभूत् । तमेकदा रहसि वसुरक्षितो नाम मंत्रिवृद्धः पितुरस्य बहुमत प्रगल्भवागभाषत।
- (च) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान कन्दरः । तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म । कदा स समाधिर्मंगीकृतवानिति को अपि न वेत्ति । ग्रामणी-ग्रामीण-ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च । त केचित् कपिल इति अपरेलोमश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति विश्वसन्ति स्म । स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारि- बटुभ्यामदर्शि ।
- (छ) अरुण एष प्रकाश पूर्वस्यां भगवतो मरीचिमालिनः । एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ति खेचर चक्रस्य कुण्डलमाखण्डनदिशः दीपको ब्रह्माण्डस्य प्रेयान् पुण्डरीकपटलस्य, शोक-विमोक्तः कोक-लोकस्य अवलम्बो रोललम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या किजिए ।

Explain any Two of the followings:

(2x6=12)

- (क) अमलम् अति सलिलमिव महदुनजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिण इव शंखाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरम् उपजनयति।
- (ख) कदलीदलकुंजायितस्य एतत्कुटीरस्य समन्तात् समन्तात् पुष्पवाटिका, पूर्वतः परम-पवित्र-पानीयं परसहस्र-पुण्डरीक-पटल-परिलसितं पत्रिकुल-कुजित-पूजितं पयः पूरितं सर आसीत् ।
- (ग) तत्क्षणमेव च कुतः इदम्! किमिदमिति दृश्यतां ज्ञायताम् ! इत्यादिशः छात्रेषु विसृष्टेषु, क्षणानन्तरं छात्रेणैकेन भयभीता सवेगमत्युष्णं दीर्घ निःश्वसती, मृगीव व्याघ्रा आघ्रत, अश्रुप्रवाहैः स्नाता, सवेपथुः कन्यकैका अंके निधाय समानीता ।
- (घ) अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदो दोषं गुरूकरणम्, असुवर्णविरचनम् अग्राम्यंकर्णभरणम् अतीतज्योतिरालोकः नोद्वेगकरः प्रजागरः ।

3. शुक्रनासोपदेश का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

Write the Summary of Shuknasopdesha.

(10)

(अथवा)Or

शुक्रनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी के व्यवहार पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the Nature of Lakshmi according to Shuknasopdesha.

4. शिवराजविजय एक ऐतिहासिक गद्यकाव्य है स्पष्ट कीजिए ।

(10)

Explain that Shivrajvijaya is a historical prose literature.

(अथवा)Or

शिवराजविजय के आधार पर गौरबटु एवं श्यामबटु के संवाद का वर्णन कीजिए ।

Describe the Dialogue Gourbatu and shyambatu according to Shivrajvijaya.

5. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।

Throw Light on the Origin and Development of Sanskrit Prose.

(10)

(अथवा)Or

विश्रुतचरितम् का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

Write the Summary of Vishrutcharitama.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए ।

(2x5=10)

Write short note any Two of the followings:

(क)	पुरुषपरीक्षा	(Purushpriksha)
(ख)	हर्षचरितम्	(Harshcharitam)
(ग)	पंचतन्त्र	(Panchtantra)
(घ)	हितोपदेश	(Hitopdesha)
(च)	वेतालपंचविंशतिका	(Vetalpanchvimshatika)

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए, जिनमें से एक संस्कृत में होनी चाहिए : (2x5=10)

Write short note any Two of the following one of which should be in Sanskrit:

(क)	चार राजविद्याएं	(Four Rajvidyain)
(ख)	चन्द्ररपीड	(Chandrapeeda)
(ग)	क्षीरसागर	(Ksheersagar)
(घ)	मृगतृष्णा	(Mrigtrishna)

8645

4

8. प्रश्न संख्या 1 और 2 में से किन्हीं चार रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए ।
Write a grammatical note on any Four underlined words from question no. 1 and 2.
(4x2=8)